C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'अ'

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।

4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1×2=2) (2×4=8) [10]

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था- मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढने लगूँ तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

आपके असहयोग का उद्धेश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि

समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती है। लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है; और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृ-भक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेक युक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता है। यह सुधारने वाला प्रेम है।

1. गांधीजी बुराई करने वालों को किस प्रकार सुधारना चाहते हैं?
2. बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है?
3. 'प्रेम' के बारे में गांधीजी के विचार स्पष्ट कीजिए।
4. असहयोग से क्या तात्पर्य है?
5. उपर्युक्त गद्यांश में हमें कौन-सी शिक्षा मिलती है?
6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x4=[4]

(क) अध्ययन करने वाले लोग अच्छा लिख पाते हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) वह कार तेजी से आई और खंभे से टकरा गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) मजदूर को मेहनत करने पर लाभ नहीं मिलता। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) राम बोला, मैं दिल्ली जा रहा हूँ। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

प्र. 3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए: 1x4=[4]

(क) वह जाता है।

(ख) सफेद घोड़ा तेज भागता है।

(ग) तुम्हें पुस्तक ध्यान से पढ़नी चाहिए।

(घ) अरे, तुम भी आ गए!

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x4=[4]

1. आज संस्था द्वारा जगह-जगह पेड़ लगाए गए। (कर्तृवाच्य में बदलिए।)
2. मैंने खाना खाया। (कर्मवाच्य में बदलिए।)
3. राधिका क्षण भर के लिए भी शांत नहीं बैठती है। (भाववाच्य में बदलिए।)
4. मूर्तिकार मूर्ति गढ़ता है। (कर्मवाच्य में बदलिए।)

प्र. 5. निम्नांकित काव्यांशों में प्रयुक्त रस पहचानिए: 1x4=[4]

1. कोउ अंतडिनी की पहिरि माल इतरात दिखावट।
   कोउ चर्वी लै चोप सहित निज अंगनि लावत।

2. कनक भूधराकार सरीरा
   समर भयंकर अतिबल बीरा।

3. मेरो मन अनत सुख पावे
   जैसे उडी जहाज को पंछी फिर जहाज पे आवै।

4. मैया मोरी दाऊ ने बहुत खिजायो।
   मोसों कहत मोल की लीन्हो तू जसुमति कब जायो।

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=[6]

फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वह मन में संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते-खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की चिंता थीं। हर मंच में इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुंझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दुख-तकलीफ़ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह'। मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फ़ादर के शब्दों से झरती विरल शांति भी।

(क) 'फ़ादर' को कौन-सी चिंता थी?

(ख) लेखक को 'फादर' संन्यासी क्यों नहीं महसूस होते थे?

(ग) फादर बुल्के ने संन्यासी की परंपरागत छवि से अलग एक नयी छवि प्रस्तुत की है, कैसे?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2x4=[8]

1. बिस्मिल्ला खाँ जीवन भर ईश्वर से क्या माँगते रहे, और क्यों? इससे उनकी किस विशेषता का पता चलता है?
2. एक कहानी यह भी' लेखिका ने अपनी माँ को व्यक्तित्वहीन क्यों कहा है?

3. आशय स्पष्ट कीजिए-

"बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है।"

4. 'लखनवी अंदाज' इस निबंध को आप और क्या नाम देना चाहेंगे?
5. बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक़्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों की

1. माँ के दु:ख को प्रामाणिक क्यों कहा गया है?
2. जीवन के सुख-दुख की लड़की को कितनी समझ थी?
3. माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2x4=[8]

1. भाव स्पष्ट कीजिए- रूपांतर है सूरज की किरणों का सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !
2. परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुईं उनके आधार पर राम के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

3. 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?
4. कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?
5. शिशु कवि की ओर अनिमेष क्यों देख रहा है?

प्र. 10. निम्नलिखित पूरक पुस्तिका के प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 3×2=[6]

1. 'आप चैन कि नींद सो सके इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दें रहा है' - एक फौजी के इस कथन पर जीवन-मूल्यों की दृष्टि से चर्चा कीजिए।
2. बच्चे का नाम भोलानाथ कैसे पड़ा?
3. ‘जॉर्ज पंचम की नाक’ पाठ में सरकारी तंत्र पर किस प्रकार का व्यंग किया गया है?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय निबंध पर लिखिए: [10]

- भारतीय ऋतुएँ
- जीवन में खेलों का महत्त्व

प्र. 12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्त्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए।

अथवा

आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्र. 13. धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए: [5]

अथवा

घी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए: